यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 11 तत्व

अंक 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

तत्त्व विभाग

प्रश्न-1. जोड़ी मिलाइये- **5**

1. वैक्रिय मिश्र काय योग	A. वचन योगी
2. 280	B. 101 संज्ञी मनुष्य
3. शाश्वत	C. 219
4. उर्ध्वलोक	D. 535
5. श्रोतेन्द्रिय	E. सास्वादनसम्यक् दृष्टि
6. 38 तिर्यंच	F. एकान्त मिथ्यादृष्टि
7. 207	G. अगर्भज
8. पद्मलेश्या	H. 20
9. संयतासंयत	I. 66
10. पर्याप्त नैरयिक	J. 76 देव

प्रश्न –2. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए– **20**

1. देवी के अपर्याप्त में जीव के कितने भेद पाए जाते है? कौनसे?

.....

.....

2. औदारिक मिश्र काय योग में जीव के कितने भेद पाए जाते है? कौनसे?

.....

.....

3. तेजो लेश्या वाले देव किन एकेन्द्रिय जीवों में उत्पन्न होते है? वे एकेन्द्रिय जीव के भेद कौनसे है?

.....

.....

4. अधोलोक में जीव के कितने भेद पाए जाते है? उनमें देव के कितने भेद है? वे देव कौन से है?

.....

.....

5. अभाषक में मनुष्य के कितने भेद पाए जाते है? कौनसे है?

.....

.....

6. सिद्ध शिला में और सिद्ध शिला के ऊपर जीव के कितने भेद पाए जाते है? वे भेद कौनसे है?

.....

.....

7. युगलिक के 172 भेदों में कितने भेद वाले जीव अमर है? कारण बताइए?

.....

.....

8. लवण समुद्र में जीव के 216 भेद है और कलोदधि में जीव के 46 भेद है? कलोदधि समुद्र में जीव के कौनसे भेद कम हुए? कम हुए भेदों की कुल संख्या भी लिखे?

.....

.....

9. उपशम समकित में जीव के कौन-से भेद पाए जाते है? कुल कितने भेद है?

.....

.....

10. विभंगज्ञानी मनुष्य के 15 भेद है और अवधि ज्ञानी मनुष्य के 30 भेद अवधि ज्ञान में मनुष्य के कौन-से भेद बढ़ गए है? कारण स्पष्ट करें।

.....

.....

कर्म प्रज्ञप्ति

प्रश्न-3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें- **10**

1. वैक्रिय द्विक का उदय ..... गुणस्थान तक होता है।

2. .....की अपेक्षा तीर्थंकर नाम कर्म को अपरावर्तमान माना है।

3. सर्वोपशमना ..... कर्म की ही होती है।

4. तिर्यंच श्रावक के ..... गोत्र का उदय रहता है।

5. कर्मों की प्रकृति, स्थिति, अनुभाव, प्रदेश को अन्य रूप में परिवर्तित करना.....करण कहलाता है।

6. सम्यक्त्व वेदनीय की सत्ता पहले गुणस्थान से ..... गुणस्थान तक होती है।

7. एकेन्द्रिय जीवों के नरकायु, देवायु और ..... नामकर्म की सत्ता नहीं होती है।

8. नैरयिक भव स्वभाव से .....द्विक का विध्यात संक्रमण करते है?

9. बादर पर्याप्त पृथ्वीकायिक जीवों के ही ..... नाम कर्म का उदय होता है?

10. हास्य चतुष्क का बंध विच्छेद ..... गुणस्थान में होता है?

प्रश्न- 4. निम्न प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर दीजिए- **10**

1. उपशमक श्रेणी आरोहण करने वाले जीवों के किन आयु की सत्ता नहीं होती है?

.....

2. देवायु का बंध कहाँ तक संभव है?

.....

3. सम्यक्त्व वेदनीय कर्म के उदय से जीव को कौन–से सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है?

.....

4. नाम कर्म की ऐसी कौन–सी प्रकृति हे जो ध्रुवबंधिनी है, परन्तु ध्रुवोदया नहीं है?

.....

5. नीच गोत्र का बंध विच्छेद और उदय विच्छेद कौन–से गुणस्थान में होता है? यह कौन सी व्यवच्छिद्यमान बंधोदया प्रकृति है?

.....

6. श्री जीवाजीवभिगम सूत्र के अनुसार सादि मिथ्यादृष्टि का उत्कृष्ट अन्तर कितना है?

.....

7. मोहनीय कर्म की ऐसी कौनसी ध्रुवसताका प्रकृतियाँ है जिनकी सत्ता क्षय होने के पश्चात् पुनः सत्ता हो सकती है?

.....

8. कोई भी जीव लगातार उत्कृष्ट कितने काल तक आहारक रह सकता है?

.....

9. दूसरे गुणस्थान में उदय विच्छेद वाली प्रकृतियों का नाम लिखे?

.....

10. ग्यारहवें गुणस्थान में काल करने पर जीव को कौन सा गुणस्थान प्राप्त हो जाता है?

.....

प्रश्न– 5. अंकों में उत्तर दीजिए– **10**

1. प्रमत संयत के कितनी निद्रा का उदय हो सकता है?

2. आठवें गुणस्थान में नाम कर्म की कितनी प्रकृतियों का बंध विच्छेद होता है?

3. मोहनीय कर्म की सत्ता कौन से गुणस्थान तक रहती है?

4. त्रस दशक की कितनी प्रकृतियाँ अध्रुवबंधिनी है?

5. सातवें गुणस्थान में उदय विच्छेद की कितनी प्रकृतियाँ है?

6. तेरहवें गुणस्थान में कितनी प्रकृतियों का उदय रहता है?

7. तीर्थंकर नाम कर्म का बंध किन गुणस्थानों में होता है?

.....

8. बारहवें गुणस्थान के द्विचरम समय तक कितनी प्रकृतियों की सत्ता होती है?

.....

9. मोहनीय कर्म की कितनी प्रकृतियां ध्रुवसताका है?

.....

10. हास्य षट्क की सत्ता क्षय होने के बाद पुरूष वेद की सत्ता कब क्षय होती है?

.....

प्रश्न- 6. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **10**

1. 14वें गुणस्थान के द्विचरम समय में सत्ता विच्छेद वाली कितनी प्रकृतियाँ है? उनके नाम लिखे?

.....

2. पराघात अष्टक में कौनसी प्रकृतियाँ ध्रुवबंधिनी, ध्रुवोदया और ध्रुवसताका है?

.....

3. चौथे गुणस्थान में उदय विच्छेद वाली प्रकृतियाँ कौन-कौन सी है?

.....

4. निम्नलिखित प्रकृतियों में से कौन-सी प्रकृति समक, क्रम, उत्क्रम, व्यवच्छिद्यमान बंधोदया प्रकृतियाँ है? इन प्रकृतियों का बंध विच्छेद और उदय विच्छेद गुणस्थान भी लिखे?

1. नरक त्रिक

2. मनुष्यानुपूर्वी

3. आहारक शरीर

4. पुरुष वेद

5. निम्नलिखित प्रकृतियों में से स्वानुदय, स्वोदय, उभयबंधिनी कौनसी प्रकृतियाँ है? बंध विच्छेद-उदय विच्छेद गुणस्थान भी लिखे?

1. मिथ्यात्व वेदनीय

2. तीर्थंकर नामकर्म

3. आतप

4. तिर्यंच आयु

जीव पर्याय

प्रश्न– 7. सही/गलत बताए– **10**

1. जघन्य अवगाहना वाले मनुष्य में आठ उपयोग पाए जाते है? ( )

2. जघन्य चक्षुदर्शन वाला पंचेन्द्रिय तिर्यंच जघन्य चक्षु दर्शन वाले पंचेन्द्रिय तिर्यंच से आठ उपयोग की अपेक्षा षट्स्थान पतित होता है। ( )

3. उत्कृष्ट गुण काले वर्ण वाला द्वीन्द्रिय उत्कृष्ट गुण काले वर्ण वाले द्वीन्द्रिय से अवगाहना की अपेक्षा तुल्य होता है। ( )

4. उत्कृष्ट अवधिज्ञान वाले वैमानिक देव उत्कृष्ट अवधिज्ञान वाले वैमानिक देव से अवगाहना की अपेक्षा त्रिस्थान पतित हो सकते है। ( )

5. 3 पल्योपम की स्थिति वाला मनुष्य युगलिक दूसरे 3 पल्योपम की स्थिति वाले मनुष्य युगलिक से अवगाहना की अपेक्षा चतुः स्थान पतित होता है। ( )

6. उत्कृष्ट अभिनिबोधिक ज्ञान वाला खेचर दूसरे ऐसे ही खेचर से स्थिति की अपेक्षा त्रिस्थान पतित हो सकता है। ( )

7. मध्यम अवधिज्ञान वाले मनुष्य अवगाहना की अपेक्षा चतुःस्थान पतित हो सकते है पर स्थिति की अपेक्षा त्रिस्थान पतित हो सकता है। ( )

8. उत्कृष्ट अवगाहना वाला मनुष्य दूसरे उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्य से दस उपयोग की अपेक्षा षट्स्थान पतित होते है। ( )

9. जघन्य गुण काले वर्ण वाला तेजस्कायिक जीव जघन्य गुण काले वर्ण वाले दूसरे तेजस्कायिक जीव से वर्णादि 20 बोल की अपेक्षा षट्स्थान पतित हो सकता है। ( )

10. उत्कृष्ट अवगाहना वाले पंचेन्द्रिय तिर्यंच की स्थिति तीन पल्योपम की होती है। ( )

प्रश्न- 8. सही विकल्प चुने- **10**

1. भवनपति और वाणव्यन्तर की 11 वर्गणाओं की अपेक्षा जीव पर्याय से कितने आलापक होते है?

(A) 1209 (B) 98 (C) 246 (D) 1023 ( )

2. उत्कृष्ट अवगाहना वाले त्रीन्द्रिय में कितने उपयोग पाए जाते है?

(A) 3 (B) 4 (C) 5 (D) इनमे से कोई नहीं ( )

3. जघन्य स्थिति वाले नमक के जीवों की अवगाहना कितने स्थान पतित होती है।

(A) त्रिस्थान (B) एकस्थान (C) चतु:स्थान (D) द्विस्थान ( )

4. मध्यम अवगाहना वाला जलचर स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है।

(A) चतु:स्थान (B) त्रिस्थान (C) द्विस्थान (D) षट्स्थान ( )

5. जघन्य अवधि दर्शन वाले मनुष्य में कितने उपभोग पाए जा सकते है?

(A) 10 (B) 8 (C)7 (D) 9 ( )

6. उत्कृष्ट स्थिति सातवीं पृथ्वी के नैरयिक की होती है। उनमें कितने ज्ञान-अज्ञान पाए जाते हैं?

(A) 3 ज्ञान (B) 3 अज्ञान (C) 3 ज्ञान 3 अज्ञान (D) 2 ज्ञान 3 अज्ञान ( )

7. उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्य में कितने उपयोग पाए जाते है।

(A) 8 (B) 9 (C) 10 (D) 6 ( )

8. एक पृथ्वीकाय का जीव जघन्य अवगाहना वाला है दूसरा उत्कृष्ट अवगाहना वाला है। दोनों में कितना फर्क है?

(A) संख्येय गुणा (B) असंख्येय भाग (C) असंख्येय गुणा (D) संख्येय भाग ( )

9. एक नैरयिक दूसरे नैरयिक से स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है।

(A) त्रिस्थान (B) चतु:स्थान (C) द्विस्थान (D) एकस्थान ( )

10. एक मनुष्य 500 धनुष की अवगाहना वाला है दूसरा 500 धनुष में अंगुल का असंख्येय भाग कम की अवगाहना वाला है। ये कौन सा स्थान पतित हो सकते है?

(A) असंख्येय गुणा हीनाधिक (B) संख्येक भाग हीनाधिक ( )

(C) असंख्येय भाग हीनाधिक (D) संख्येक गुणा हीनाधिक

प्रश्न 9. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **15**

1. दो उत्कृष्ट अवधिज्ञानी पंचेन्द्रिय तिर्यंच अवगाहना और स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

2. मध्यमस्थिति वाला मिथ्यादृष्टि द्वीन्द्रिय, मध्यम स्थिति वाले मिथ्यादृष्टि द्वीन्द्रिय से स्थिति, वर्णादि और उपयोग की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है।

.....

.....

3. उत्कृष्ट अवगाहना वाला मनुष्य उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्य से स्थिति की अपेक्षा कौन–सा स्थान पतित होता है? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

4. मध्यम अवधि ज्ञानी मनःपर्याय ज्ञानी संयत ऐसे ही दूसरे संयत से अवगाहना और स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

5. मध्यम अचक्षु दर्शन वाला त्रीन्द्रिय मध्यम अचक्षु दर्शन वाले त्रीन्द्रिय से प्रदेश, अवगाहना स्थिति और उपयोग की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

6. उत्कृष्ट अवगाहना वाला देव उत्कृष्ट अवगाहना वाले देव से स्थिति और उपयोग की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

7. मनुष्य में जघन्य चक्षुदर्शन में छः उपयोग है परन्तु उत्कृष्ट चक्षुदर्शन में 10 उपयोग पाए जाते है? कारण स्पष्ट करें।

.....

.....

8. जघन्य 2 हाथ और उत्कृष्ट 500 धनुष की अवगाहना वाले मनुष्य ही केवलज्ञानी होते है? ये स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित होते है? इनमें अवगाहना चक्षु:स्थान पतित कैसे समझाना? स्पष्ट करे?

.....

.....

9. पाँचवीं पृथ्वी का एक नैरयिक 100 धनुष की अवगाहना वाला है और दूसरा नैरयिक 125 धनुष की अवगाहना वाला है? ये दोनों एक दूसरे कितने स्थान हीनाधिक है? इनमें से एक की स्थिति 18 सागरोपम की है तथा दूसरे की स्थिति 22 सागर की है तो कौनसा स्थान पतित है?

.....

.....

10. एक सूर्यविमान वासी देव दूसरे सूर्य विमान वासी देव से स्थिति, अवगाहना, वर्णादि और उपयोग की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....